दिल्ली पब्लिक स्कूल , जम्मू
सत्र (2024–25)
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र **(C.T.-1)**

कक्षा – नवीं विषय – हिन्दी

खण्ड–अ (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न1) नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

लोग कहते हैं कि आकाश और धरती कभी एक नहीं होते और वे यह भी कहते हैं कि प्रकृति और पुरूष की धमाचौकड़ी में सदा प्रकृति पराजित होती है, पुरूष विजयी होता है। मेरा अनुरोध है कि देखें एक बार वे भारत के मुकुट कश्मीर को, जहाँ सुषमा हँसती है, सौंदर्य बिखरता है। झील के स्थिर पानी पर सूर्य की लहरी उठती है। पहाड़ों पर बादलों की परत की इंद्रधनुषी तरंग पर जलतरंग की स्वर्ण लहरी उठती है। पहाड़ों पर बादलोंकी परत की परत आसमान से बातें करती दिखाई देती है और शिखर से नीचे देखने पर आकाश ही जमीन पर मालूम होता है। अतएव, जिसे देखकर भी जीम न भरे ऐसी यहाँ की छटा है, चखकर जिसका स्वाद न मिटे ऐसी यह खुराक है और सुनकर जो कानों के बाहर न निकाले ऐसा यह संगीत है। यहाँ की चप्पे–चप्पे जमीन कुदरत की ऐसी प्यारी देन है, जो इनसान नहीं गढ़ सकता , भगवान ही उसका निर्माण कर सकता है।

(i) लेखक के अनुसार कश्मीर का निर्माण किसने किया है?
(क) इंसान (ख) भगवान (ग) परिस्थिति (घ) वातावरण

(ii) पहाड़ों पर बादलों की परत किससे बात करती है?
(क) पहाड़ों से (ख) पहाड़ों पर उगे पेड़ों से
(ग) आसमान से (घ) झीलों से

(iii) मेरा अनुरोध है कि देखें एक बार भारत के मुकुट कश्मीर को जहाँ सुषमा हँसती है, सौंदर्य बिखरता है। यहाँ पर सुषमा कौन है?
(क) एक लड़की का नाम (ख) एक नारी का नाम (ग) प्रकृति (घ) सुन्दरता

(iv) लेखक के अनुसार प्रकृति और पुरूष की धमाचौकड़ी में कौन विजयी और कौन पराजित होता है?

(v) जो कानों के बाहर न निकले ऐसा यह संगीत है , कहने का अर्थ है –

प्रश्न 2) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

(क) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार का सही रुप में प्रयोग कीजिएः–
(i) सयम (ii) परतत्र

(ख) निम्नलिखित शब्दों में अनुनासिक का सही रुप में प्रयोग कीजिएः–
(i) धुआ (ii) महगा

(ग) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग को अलग कीजिएः–
(i) उत्कर्ष (ii) प्रत्येक

(घ) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय को अलग करके लिखिए :–
(i) स्थानीय (ii) धार्मिक

खण्ड–ब

प्रश्न 3) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए–

पड़ोस की दुकानों के तख्तों पर बैठे या बाजार में खडे लोग घृणा में उसी स्त्री के संबंध में बाते कर रहे थे। उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा–सी उठी , पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था? सामने के फुटपाथ पर खड़े एक आदमी ने दियासलाई की तीली से कान खुजाते हुए कहा,"अरे, इन लोगों का क्या है? ये कमीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं। इनके लिए बेटा–बेटी, खसम–लुगाई, धर्म–ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।" परचून की दुकान पर बैठे लाला जी

ने कहा," अरे भाई, उनके लिए मरे जिए का कोई मतलब न हो, पर दूसरे के धर्म–ईमान का तो खयाल करना चाहिए! जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है और वह यहाँ सड़क पर बाजार में आकर खरबूजे बेचने बैठ गई है। हज़ार आदमी आते–जाते हैं। कोई क्या जानता है कि इसके घर में सूतक है। कोई इसके खरबूजे खा ले तो उसका ईमान–धर्म कैसे रहेगा? क्या अँधेर है!"

(i) बाजार के लोग बूढी स्त्री को किस दृष्टि से देख रहे थे?

(क) ईर्ष्या की दृष्टि से (ख) घृणा की दृष्टि से (ग) प्रेम की दृष्टि से (घ) दया की दृष्टि से

(ii) रोती हुई स्त्री को देखकर लेखक को कैसा लगाा?

(क) लेखक का मन व्यथित हो गया (ख) लेखक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा

(ग) लेखक को संतुष्टि हुई (घ) लेखक वहाँ खड़ा नहीं हो पाया

(iii) सूतक कितने दिन का होता है?

(क) दस दिन का (ख) बारह दिन का (ग) तेरह दिन का (घ) तीन दिन का

प्रश्न 4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25–30 शब्दों में दीजिए– (कोई दो)

(i) मनुष्य का सामाजिक दर्ज़ा उसकी पोशाक से तथा उसकी आर्थिक स्थिति से निर्धारित होता है। क्या यह उचित है ?

(ii) भगवाना के इलाज और उसकी मृत्यु के बाद घर की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा?

(iii) '' अरे जैसी नीयत होती है अल्ला वैसी ही बरकत देता है '' पंक्ति से किस भाव का बोध हो रहा है?

पूरक पुस्तक

प्रश्न 5) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए– – (कोई एक)

(i) गिल्लू को मुक्त क्यों और कैसे किया गया ? इससे लेखिका की मानवीयता कैसे प्रदर्शित होती है?

(ii) सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है?

लेखन

प्रश्न 6) किसी एक विषय पर लगभग 100–120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

(क) जीव–जन्तु और समाज

संकेत बिंदु

- सहज संबंध
- उपयोगिता
- सुझाव

(ख) संयुक्त परिवार

संकेत बिंदु

- अर्थ
- संबंधों में पड़ती दरार
- जोड़ने से लाभ

(ग) परोपकार

संकेत बिंदु

- आवश्यकता
- लाभ
- मानवीय गुण